>

Title: Need to provide a halt at Hariharpur on Darbhanga-Sitamarhi Railway section in Bihar.

श्री हुक्मदेव नारायण यादव (मधुबनी): अध्यक्ष महोदया, बिहार के कोसी में श्रीमान अटल बिहारी वाजपेयी जब प्रधान मंत्री थे और श्रीमान नीतीश कुमार जी रेल मंत्री थे तो महासेतु का शिलान्यास किया गया था। बिहार के स्वर्गीय ललित नारायण मिश्र जी ने यह सपना देखा था कि कोसी में रेल का महासेतु बनाकर पूर्वोत्तर के साथ दिल्ली का सीधा संबंध जोड़ा जाए। उनके सपने को भी साकार किया गया। वह पुल बनकर तैयार है। लेकिन सकरी से लेकर निर्मली तक जो बड़ी लाइन की पटरी बैठानी है, वह पटरी नहीं लग पाई है। इसके कारण वह पुल दो साल से बनकर तैयार है परन्तु चालू नहीं है। रोड का पुल था, उसके लिए भी पी.सी.जोशी जी गये थे, मुख्य मंत्री गये थे, उसका भी उद्घाटन हो गया। वह रोड से जो अटल बिहारी वाजपेयी जी ने पश्चिम से पूर्व को जोड़ने का सपना देखा था, वह मिथलांचल और बिहार के लिए इतिहास का स्वर्णिम युग बनेगा। इसलिए मैं प्रार्थना करना चाहता हूं कि वह नेपाल की सीमा पर है, पूर्वोत्तर से सीधा संबंध जोड़ने के लिए केवल कुरसेला में आप जानती हैं कि एक रेल का पुल है, किसी भी दिन अगर उस रेल के पुल की लाइफ खत्म हो जाए तो पूर्वोत्तर का सीधा संबंध दिल्ली से टूट जाएगा। मिथलांचल दो भाग में बंटा हुआ है-पूर्व और पश्चिम। वह उस रेल खंड से जुड़ता है। 13 घंटे में जो हमको दूरी तय करनी पड़ती थी, अब 3 घंटे में हम उस दूरी को तय कर सकते हैं लेकिन बड़ी रेल पटरी सकरी से लेकर निर्मली तक नहीं बैठाने के कारण वह रेललाइन धनराशि के अभाव में पड़ा हुआ है, उसको शीघ्र पूरा किया जाए जिससे दिल्ली से पूर्वोत्तर का सीधा संबंध हो जाएगा।

दूसरे, सभी के लिए जब एक जैसा मापदंड रहता है, तो दरभंगा से सीतामढ़ी रेल खंड पर हरिहरपुर गांव में एक हाल्ट देने की लोग लगातार मांग करते रहे हैं क्योंकि यह बड़ा गांव है। जब सभी हाल्ट के लिए एक मापदंड बनाया गया, इसके लिए एक प्रक्रिया और निर्धारित नियम है, तो हरिहरपुर के लोगों के मांग की उपेक्षा करना भी उचित नहीं लग रहा है। इसलिए सबके लिए समान प्रक्रिया हो, संविधान में सबको समान अधिकार प्राप्त हैं। इसलिए हरिहरपुर के लोगों की इस हाल्ट की मांग को पूरा किया जाए। यही मेरी दो मांगें हैं और भारत सरकार से, प्रधान मंत्री से, वित्त मंत्री से, रेल मंत्रालय से मेरी विनम्र प्रार्थना है कि सकरी से निर्मली रेल लाइन बनाने के काम को विशेष स्तर पर देखा जाए।